प्रसार भारती
भारतीय प्रसारण निगम
आकाशवाणी केन्द्र शिमला

06.01.2026 / प्रादेशिक समाचार / 15:00 बजे

चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश के तीन बाल देखभाल संस्थानों में रह रहे 52 चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट को एक विशेष शैक्षणिक भ्रमण पर आज शिमला से रवाना किया। मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना के तहत ये बच्चे 15 जनवरी तक देश के विभिन्न शहरों और ऐतिहासिक, सांस्कृतिक व शैक्षणिक स्थलों का भ्रमण करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इन बच्चों को यात्रा करवाने का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विरासत, आधुनिक बुनियादी ढांचे और शैक्षणिक संस्थानों से परिचित करवाना है। यात्रा कार्यक्रम के तहत ये बच्चे चंडीगढ़– दिल्ली– आगरा– गोवा– चंडीगढ़ का भ्रमण करेंगे। इस दौरान बच्चों को विभिन्न आधुनिक परिवहन साधनों का अनुभव भी करवाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण बच्चों में आत्मविश्वास, जिज्ञासा और सामाजिक चेतना विकसित करने में मददगार बनेंगे। उन्होंने अधिकारियों को बच्चों की सुरक्षा, सुविधा और देखभाल में किसी प्रकार की कोताही न बरतने के निर्देश दिए। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अग्निहोत्री

उप–मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा है कि शिक्षा के क्षेत्र में अधोसंरचना का सुदृढ़ीकरण व अकादमिक विस्तार राज्य सरकार की दीर्घकालिक नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इसी के तहत ऊना जिला के हरोली में निर्माणाधीन डिग्री कॉलेज के शेष कार्यों को पूरा करने के उद्देश्य से सरकार ने चार करोड़ रूपए की अतिरिक्त धनराशि स्वीकृत की है। उन्होंने बताया कि कॉलेज के नए भवन का निर्माण 12 करोड़ 71 लाख रूपए की लागत से किया जा रहा है जो अंतिम चरण में है। अग्निहोत्री ने कहा कि नए कॉलेज भवन के बनने से विद्यार्थियों को आधुनिक व बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकेंगी।

प्रगति– विशेष स्टोरी

सक्रिय सुशासन और योजनाओं के समयबद्ध कार्यान्वंयन के लिए प्रधानमंत्री के प्रमुख तंत्र प्रगति ने अपनी 50वीं बैठक के साथ महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री ने 2015 में इस तंत्र का शुभारंभ किया था। इसके माध्यम से प्रधानमंत्री की सीधी समीक्षा के कारण बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं की समयबद्ध निगरानी और मुद्दों का समाधान संभव हुआ है। इस विशेष श्रृंखला में आज मिशन अमृत सरोवर पर नजर डालते हैं। पेश है ये रिपोर्ट––

डिस्पैच–मिशन अमृत सरोवर की शुरुआत साल 2022 में की गई थी, जिसका उद्देश्य, देश के हर जिले में 75 अमृत सरोवर का निर्माण और पुराने तालाबों का पुनर्जीवन करना था। हर अमृत सरोवर कम से कम एक एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ और लगभग दस हजार क्यूबिक मीटर पानी जमा करने की क्षमता होती है। प्रगति के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर मिशन अमृत सरोवर की नियमित समीक्षा की गई। इस डिजिटल मंच पर केंद्र सरकार के मंत्रालयों एवं राज्य सरकारों और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एक साथ जुड़े, ताकि जमीन की उपलब्धता, विभागों के बीच समन्वय और फंड जारी करने जैसी समस्याओं का तेजी से समाधान हो सके। ग्रामीण विकास विभाग की संयुक्त सचिव रोहिणी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रगति के माध्यम से की गई समीक्षा से सभी मंत्रालयों के बीच तालमेल मजबूत हुआ है।
(बाइट-रोहिणी, सचिव... प्रधानमंत्री जी हमेशा समग्र सरकार रूल ऑफ नेशन की बात करते हैं उस हिसाब से पचास हजार से भी ऊपर जा के 68000 से ज्यादा अमृत सरोवर जो है, बनाए गए हैं पूरे देश में। और अब यह अमृत सरोवर जो है, उनकी प्रगति के माध्यम से जब आदरणीय प्रधानमंत्री जी उसकी समीक्षा करते हैं तो, उसे और भी ज्यादा समन्वय जो है हम सबके बीच में बढ़ जाता है।)
इस योजना के तहत 15 अगस्त 2023 तक कुल 50000 अमृत सरोवर बनाने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन प्रगति की निगरानी के बाद काम में तेजी आई और अब तक देश भर में 68 हजार आठ सौ से अधिक अमृत सरोवर बनाए जा चुके हैं। इन जलाशयों के पास 23 लाख से अधिक पेड़ भी लगाए गए हैं। प्रधानमंत्री की प्रगति समीक्षा का ही परिणाम है कि अमृत सरोवर आज जल संकट से निपटने का प्रभावी समाधान बन गया है और सिंचाई को नया आधार मिला है।

सीबीएसई – मनोवैज्ञानिक परामर्श

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड – सीबीएसई ने परीक्षा संबंधी तनाव से निपटने के लिए विद्यार्थियों के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श सहायता शुरू की है। कक्षा 10वीं और 12वीं के परीक्षार्थियों के लिए निःशुल्क परामर्श इस वर्ष पहली जून तक जारी रहेगा। इस पहल का उद्देश्य परीक्षा संबंधी तनाव को कम करना है। सी बी एस ई की परीक्षाएं इस वर्ष 17 फरवरी से शुरू हो रही हैं। विद्यार्थी टोल–फ्री नंबर 1–8–0–0–1–1–8–0–0–4 पर हिंदी और अंग्रेजी में चौबीस घंटे सहायता प्राप्त कर सकते हैं। यह सेवा तनावमुक्त तैयारी, प्रभावी समय और तनाव प्रबंधन, अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों के उत्तर और सीबीएसई से संबंधित महत्वपूर्ण संपर्क के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करती है। इस सेवा के अंतर्गत विद्यार्थियों और अभिभावकों को सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों के प्रधानाचार्यों, परामर्शदाताओं, विशेष शिक्षकों और योग्य मनोवैज्ञानिकों सहित 73 प्रशिक्षित पेशेवर सहायता प्रदान करेंगे।

————————————————————————————————————